Series SKS/1/C

कोड नं. **2/1/1**
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours *Maximum Marks : 100*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भविष्य की दुनिया पर ज्ञान और ज्ञानवानों का अधिकार होगा । इसलिए शैक्षिक नीतियों को उन मूलभूत संरचनात्मक परिवर्तनों का अभिन्न अंग होना चाहिए जिनके बिना नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था सपना मात्र रह जाएगी । इसका लक्ष्य उन भाग्यवादी विचारों का सफ़ाया होना चाहिए जो यह प्रचारित करते हैं कि निर्धनता प्रकृति की देन है । और यह कि अभावग्रस्त लोगों को उसी तरह निर्धनता को सहना चाहिए जैसे कि प्राकृतिक आपदाओं को । उन लोगों की बुद्धि ठीक करनी चाहिए जो निर्धनता की खोखली आध्यात्मिकता में आत्मतोष

ढूँढ़ते हैं, और उनको भी जो समृद्धि को उपभोक्तावादी संस्कृति में जीवन का अर्थ और उद्देश्य देखते हैं । नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था के निर्माण में शिक्षा को महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी है । जब तक इन भविष्यवादी प्रतिमानों की इस भयंकर सीमा को दूर नहीं किया जाता, दुनिया दो नहीं, तीन भागों में बँटकर रह जाएगी जिसकी ओर यूनेस्को के एक अध्ययन ने ध्यान दिलाया है : "सबसे नीचे प्राथमिक (बेसिक) शिक्षा और वंशगत कार्य तथा निर्वाहमूलक श्रमवाले देश होंगे; बीच में व्यावसायिक शिक्षा सहित माध्यमिक शिक्षा के स्तर तक के, कुछ साधारण छँटाई-सफ़ाई (प्रोसेसिंग) करने वाले देश होंगे, तथा सबसे ऊपर वे देश होंगे जहाँ हर व्यक्ति किसी विश्वविद्यालय का स्नातक होगा और विशालकाय वैज्ञानिक प्रौद्योगिक आधारवाले अत्यंत शोधमूलक उद्योगों में कार्य कर रहा होगा ।" आधुनिक युग की त्रासदी यह है कि तीसरी दुनिया इस समय भी तीसरी और चौथी दुनियाओं में बँटती चली जा रही है और विकासशील देश अल्पविकसित और अल्पतमविकसित देशों में बँट रहे हैं । असमानता को फैलाने की इस प्रक्रिया में दुर्भाग्य से शिक्षाप्रणाली महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है ।

(क) उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) नई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था कब सपना मात्र रह जाएगी ? *1*

(ग) शिक्षा के क्षेत्र में भाग्यवादी विचार क्या प्रचारित करते हैं ? *2*

(घ) लेखक किन लोगों की बुद्धि ठीक करने की बात करता है ? क्यों ? *2*

(ङ) भविष्यवादी प्रतिमानों को ठीक न करने का मुख्य परिणाम क्या होगा ? *1*

(च) यूनेस्को ने अपने अध्ययन में क्या आशंका जताई है ? *2*

(छ) आधुनिक युग की त्रासदी किसे कहा गया है ? क्यों ? *2*

(ज) यूनेस्को के द्वारा बताई गई तीन कोटियों में से आप भावी भारत को किस कोटि में देखना चाहेंगे ? *1*

(झ) 'तीसरी दुनिया' से क्या तात्पर्य है ? *1*

(ञ) प्रत्यय अलग कीजिए — प्राथमिक, अल्पतम । *1*

(ट) उपसर्ग अलग कीजिए — प्रतिमान, परिवर्तन । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×5=5*

देखो प्रिये, विशाल विश्व को आँख उठाकर देखो,
अनुभव करो हृदय से यह अनुपम सुषमाकर देखो ।
यह सामने अथाह प्रेम का सागर लहराता है,
कूद पड़ूँ, तैरूँ इसमें, ऐसा जी में आता है ।।

रत्नाकर गर्जन करता है मलयानिल बहता है,
हरदम यह हौसला हृदय में प्रिये ! भरा रहता है ।
इस विशाल, विस्तृत, महिमामय रत्नाकर के घर के,
कोने-कोने में लहरों पर बैठ फिरूँ जी भर के ।।

निकल रहा है जलनिधि-तल पर दिनकर-बिंब अधूरा,
कमला के कंचन-मंदिर का मानो कांत कँगूरा ।
लाने को निज पुण्यभूमि पर लक्ष्मी की असवारी,
रत्नाकर ने निर्मित कर दी स्वर्ण-सड़क अति प्यारी ।।

(i) कवि अपनी प्रेयसी से क्या देखने का अनुरोध कर रहा है और क्यों ?

(ii) समुद्र को 'रत्नाकर' क्यों कहा जाता है ?

(iii) विशाल सागर को देखने पर कवि के मन में क्या इच्छाएँ जगती हैं ?

(iv) काव्यांश के आधार पर सूर्योदय का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(v) काव्यांश के अंतिम अनुच्छेद में निहित अनुप्रास और उत्प्रेक्षा के सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *5*

(क) भ्रष्टाचार की समस्या

(ख) भारत का भविष्य

(ग) लोकतंत्र में चुनाव

(घ) भारतीय युवा

4. घर लौटते हुए आप एक सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए । आसपास के लोगों और पुलिस के रवैये पर टिप्पणी करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए और ऐसी स्थिति से निपटने का एक सुझाव भी दीजिए । *5*

अथवा

आपके क्षेत्र के चुने हुए विधायक चुनाव के बाद आपके क्षेत्र में कभी नहीं आए, न उन्हें आपकी समस्याओं की चिंता है । उनके इस रवैये की आलोचना करते हुए उनके राजनीतिक दल के अध्यक्ष को पत्र लिखिए ।

5. (क) संक्षेप में उत्तर दीजिए : *1×5=5*

(i) मुद्रित माध्यम की किसी एक विशेषता को स्पष्ट कीजिए ।

(ii) संपादकीय किसे कहा जाता है ?

(iii) हिन्दी में नेट-पत्रकारिता में सबसे बड़ी अड़चन क्या है ?

(iv) फ़ीचर किसे कहते हैं ?

(v) ऐसे चार हिन्दी समाचार-पत्रों के नाम लिखिए जिनके वेब (नेट) संस्करण भी उपलब्ध हैं ।

(ख) 'जंतर-मंतर पर प्रदर्शन' **अथवा** 'वर्षा न होने से बढ़ता अकाल का दायरा' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए । *5*

6. 'अध्यापक-दिवस की धूम-धाम' **अथवा** 'पीने के पानी की समस्या' विषय पर एक आलेख लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×4=8*

नभ में पाँती-बँधे बगुलों के पंख,

चुराए लिए जातीं वे मेरी आँखें ।

कजरारे बादलों की छाई नभ छाया,

तैरती साँझ की सतेज श्वेत काया,

हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से ।

उसे कोई तनिक रोक रक्खो ।

वह तो चुराए लिए जाती मेरी आँखें

नभ में पाँती-बँधी बगुलों की पाँखें ।

(क) बगुलों को देखकर कवि को कैसी अनुभूति होती है ? क्यों ?

(ख) बादलों को देखकर कवि ने क्या कल्पना की है ? अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) कवि किसे रोके रखने का आग्रह कर रहा है और क्यों ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए :

हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से

अथवा

जथा पंख बिन खग अति दीना । मनि बिनु फनि करिवर कर हीना ।।
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही । जौं जड़ दैव जिआवै मोही ।।
जैहउँ अवध कवन मुँहुँ लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गँवाई ।।
बरु अपजस सहतेउँ जग माहीं । नारि हानि बिसेष छति नाहीं ।।

(क) राम की मनोदशा की तुलना किससे की गई है और क्यों ?

(ख) राम को अयोध्या लौटने में क्या संकोच है ?

(ग) कैसे कह सकते हैं कि राम और लक्ष्मण में परस्पर गहरा प्यार रहा है ?

(घ) काव्यांश से ज्ञात हो रहे नारी विषयक दृष्टिकोण पर टिप्पणी कीजिए ।

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×3=

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से लीपा हुआ चौका
(अभी गीला पड़ा है)
बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो

(क) प्रात नभ के लिए प्रयुक्त किसी एक उपमान का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) आकाश को 'लाल केसर से धुली काली सिल' क्यों कहा गया है ?

(ग) कविता में कोष्ठक के भीतर दिए गए कथन से क्या विशेषता आई है ?

अथवा

आबो-ताब अशआर न पूछो तुम भी आँखें रक्खो हो
ये जगमग बैतों की दमक है या हम मोती रोले हैं ।

(क) 'तुम भी आँखें रक्खो हो' कहकर कवि क्या स्पष्ट करना चाहता है ? क्यों ?

(ख) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ग) ये पंक्तियाँ किस छंद में लिखी गई हैं ? उस छंद की क्या विशेषता है ?

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** के उत्तर दीजिए : 3+3=6

(क) 'बात सीधी थी पर' कविता में कथ्य और उसके माध्यम का द्वंद्व उभारा गया है – इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

(ख) मुक्तिबोध एक ओर तो कहते हैं : 'जो भी है सहर्ष स्वीकारा है' और दूसरी ओर कहते हैं : 'रमणीय उजेला अब सहा नहीं जाता है ।' इस अंतर्विरोध पर टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'पतंग' कविता के आधार पर भादों बीत जाने के बाद का प्रकृति-सौंदर्य अपने शब्दों में चित्रित कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×4=8

हम आज देश के लिए करते क्या हैं ? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है । अपना स्वार्थ आज एकमात्र लक्ष्य रह गया है । हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं ? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं । आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

(क) लेखक को यह प्रश्न क्यों पूछना पड़ा – 'आज हम देश के लिए करते क्या हैं' ?

(ख) भ्रष्टाचार के बारे में हमारी कथनी और करनी में क्या अंतर है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए : 'काले मेघा दल के दल ..... पियासे रह जाते हैं ।'

(घ) 'आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?' आपके विचार से यह स्थिति कब, कैसे बदलेगी ?

अथवा

महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी ऊर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं । दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है । मूर्ख समझते हैं कि जहाँ बने हैं, वहीं देर तक बने रहें तो काल-देवता की आँख बचा जाएँगे । भोले हैं वे । हिलते-डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो । जमे कि मरे ।

(क) 'महाकाल देवता' से क्या तात्पर्य है ? उनकी क्या गतिविधि निरंतर चल रही है ?

(ख) मूर्ख किन्हें कहा है और क्यों ?

(ग) शिरीष वृक्ष की किस विशेषता को देखकर लेखक के मन में ये विचार उठे हैं ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए : 'जमे कि मरे ।'

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 3×4=12

(क) भीषण महामारी से ग्रस्त ग्रामीणों की बेबसी में पहलवान की ढोलक किस प्रकार सहायक बन रही थी ?

(ख) पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि जीवन-संघर्षों ने चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व को कैसे संपन्न बनाया ?

(ग) टिप्पणी कीजिए : ''नमक' कहानी में भारत और पाकिस्तान की आम जनता के आरोपित भेदभावों के बीच मुहब्बत का नमकीन स्वाद घुला हुआ है ।'

(घ) हज़ारी प्रसाद द्विवेदी ने शिरीष को अवधूत क्यों माना है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) डॉ. आंबेडकर के विचार से जाति-विभाजन को ही श्रमविभाजन मानना स्वाभाविक क्यों नहीं है ? स्पष्ट कीजिए ।

12. (क) ऐन फ्रेंक कौन थी ? उसने अपनी डायरी 'किट्टी' को संबोधित करके ही क्यों लिखी होगी ? *3*

(ख) 'जूझ' कहानी का प्रमुख पात्र आप किसे मानते हैं ? उसके व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए । *2*

13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए मूल्यपरक प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

"गोल मार्केट से 'सेक्रेट्रिएट' तक पहले साइकिल से आते-जाते थे, इधर पैदल आने-जाने लगे हैं क्योंकि उनके बच्चे आधुनिक युवा हो चले हैं और उन्हें अपने पिता का साइकिल-सवार होना सख़्त नागवार गुज़रता है । बच्चों के अनुसार साइकिल तो चपरासी चलाते हैं ।"

(क) गद्यांश में किसकी चर्चा की जा रही है ? उन्होंने साइकिल से आना-जाना क्यों छोड़ दिया है ? क्या साइकिल के आने-जाने से प्रदूषण रोका जा सकता है ? *3*

(ख) सामाजिक प्रतिष्ठा से पद और सवारी का क्या सम्बन्ध है ? इसे आप कहाँ तक ठीक मानते हैं ? *2*

14. 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु की कुछ विशेषताओं पर प्रकाश डालिए जो मुअनजो-दड़ो की खुदाई से प्रमाणित होती हैं । *5*

अथवा

'जूझ' कहानी के प्रमुख पात्र के जीवन-संघर्ष पर प्रकाश डालिए ।